UGC NET Paper 1 2011 June
www.Fillerform.info

Previous Years Solved Questions - UGC NET Paper 1 for July 201

Unit 3(Home work)Hindi/Eng-39

The issue of road rage requires serious attention. Day by day, it is becoming a great concern. Call it the negligence of the government or the rashness of the drivers, the underlying fact is that at the end of the day, the common man is the one who suffers the most. The commoner driving a two-wheeler who is hit by a speeding SUV, even though the former was following the traffic rules, has nowhere to go in order to seek redressal for his grievances or his injury. A recent case in point is the accident caused by the speeding luxury car owned by Hema Malini. A family of four driving a modest Alto was hit by the overspeeding car driven by the actress's driver. It resulted in the death of the youngest child of the family and several injuries to the other family members. To add insult to injury, Malini posted negative comments on a famous social networking website.

Part of the problem lies with the attitude and mentality of the driver behind the steering wheel. The car is a personal vehicle and one possesses the freedom to drive it independently and at one's own will. But one must understand that the road on which one drives is open to the public. This blurring of the dichotomy between the public and the private leads to reckless behaviour on the roads. Respect for the elderly and pedestrians, so common in countries abroad, is a thing of rarity to be found in our land. A little consideration to road rules and adoption of simple safety measures such as fastening of the seat belt, can go a long way in reducing this menace.

Questions:

Q 1 Suggest a suitable title to the passage.

Q 2 Why does the common man suffer grievously in instances of road rage?

Q 3 What should the driver understand?

Q 4 What is the solution to this problem of road rage?

Answer key:

A 1. "Road Rage", “Menace on Indian Roads”

A 2. Due to the absence of immediate grievance redressal mechanisms

A 3. The driver should not overstep the line which separates the public and the private, by respecting others on the road and not blindly giving in to speeding etc.

A 4. Inculcating a sense of respect for the elderly and the pedestrians, adopting simple safety measures such as utilising the seat belt.

रोड रेज के मुद्दे पर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है। दिन-ब-दिन यह एक बड़ी चिंता का विषय बनता जा रहा है। इसे सरकार की लापरवाही कहें या वाहन चालकों की उतावलापन, असल बात तो यह है कि आम आदमी ही सबसे ज्यादा पीड़ित होता है। एक दोपहिया वाहन चलाने वाला आम व्यक्ति, जो एक तेज रफ्तार एसयूवी से टकरा जाता है, भले ही पूर्व यातायात नियमों का पालन कर रहा हो, उसे अपनी शिकायतों या अपनी चोट के निवारण के लिए कहीं नहीं जाना पड़ता है। हाल ही में एक मामला हेमा मालिनी की तेज रफ्तार लग्जरी कार के कारण हुआ हादसा है। मामूली ऑल्टो चला रहे चार लोगों का एक परिवार अभिनेत्री के ड्राइवर द्वारा चलाई जा रही तेज रफ्तार कार की चपेट में आ गया। इससे परिवार के सबसे छोटे बच्चे की मौत हो गई और परिवार के अन्य सदस्यों को कई चोटें आईं। चोट के अपमान को जोड़ने के लिए, मालिनी ने एक प्रसिद्ध सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट पर नकारात्मक टिप्पणियां पोस्ट कीं।

समस्या का एक हिस्सा स्टीयरिंग व्हील के पीछे चालक के रवैये और मानसिकता के साथ है। कार एक निजी वाहन है और व्यक्ति को इसे स्वतंत्र रूप से और अपनी इच्छा से चलाने की स्वतंत्रता है। लेकिन यह समझना चाहिए कि जिस सड़क पर कोई ड्राइव करता है वह जनता के लिए खुला है। जनता और निजी के बीच के द्वंद्व के इस धुंधलेपन से सड़कों पर लापरवाह व्यवहार होता है। बुजुर्गों और पैदल चलने वालों के लिए सम्मान, जो विदेशों में आम है, हमारे देश में दुर्लभ है। सड़क के नियमों पर थोड़ा ध्यान देने और सीट बेल्ट लगाने जैसे साधारण सुरक्षा उपायों को अपनाने से इस खतरे को कम करने में काफी मदद मिल सकती है।

प्रश्न:

प्रश्न १ गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक सुझाइए।

प्रश्न २ रोड रेज की घटनाओं में आम आदमी को भारी परेशानी क्यों होती है?

प्रश्न ३ ड्राइवर को क्या समझना चाहिए?

प्रश्न 4 रोड रेज की इस समस्या का समाधान क्या है?

उत्तर कुंजी:

ए 1. "रोड रेज", "भारतीय सड़कों पर खतरा"

ए 2. तत्काल शिकायत निवारण तंत्र की अनुपस्थिति के कारण

ए 3. चालक को सड़क पर दूसरों का सम्मान करके और तेज गति आदि के आगे आंख मूंदकर न देकर, सार्वजनिक और निजी को अलग करने वाली रेखा को पार नहीं करना चाहिए।

ए 4. बुजुर्गों और पैदल चलने वालों के लिए सम्मान की भावना पैदा करना, सीट बेल्ट का उपयोग करने जैसे सरल सुरक्षा उपायों को अपनाना।